

## वे कौन थे -

1. जिनके ऊपर जलती सिंहाड़ी रखी गई - राजकुमार
2. जिन्हें जलते हुए गहने पहनाए गए - पाण्डव
3. जिन्होंने मरणासन्न कुत्ते को ठामोकार मंत्र सुनाया -  
जीवनधार स्वामी
4. जिन्होंने आप्तपरीक्षा ग्रन्थ लिखा - विद्यानान्दि आचार्य
5. जिन्हें हाथी पर बैठे - बैठे वैराग्य हुआ - राजा मधु
6. जो ठामोकार मंत्र के अपमान से नरक गए - सुभौम चक्र
7. यक्षोद्यार मुनि के गले में मृत सर्प डाला - श्रेष्ठिक राजा
8. जिन्हें भस्मक व्याधि हुई - समन्तभद्र
9. नारक समग्रसार की रचना की - बनारसीदास जी
10. संवर देव ने इन पर उपसर्ग किया था - मुनि पार्श्वनाथ
11. जिनका उपसर्ग राम - लक्ष्मण ने दूर किया था -  
देवाक्षुषण - कुलभूषण मुनिराज
12. इस युग में प्रथम मोक्ष गए - अनंत वीर्य
13. जो दीक्षा के अंतर्मुहूर्त बाद केवलज्ञानी हो गए - भरत
14. जिन पर सीतेन्द्र ने उपसर्ग किया - मुनि राम
15. जिन्हें 48 तालों में बंद रखा गया - भानुगो आचार्य
16. जो मुनि विदेह क्षेत्र गए थे - कुन्दकुन्द आचार्य
17. जिन्हें तीन दिन तक शलाघनी खाती रही - सुकुमाल
18. जिनका बाधिन ने भक्षण किया - सुकोशल

# Notes

Mo Tu We Th Fr Sa Su

DATE

MONTH

YEAR

3. जिन्हें वन में नगर बसाकर आहार दिया - चन्द्रगुप्त
20. जिनके निमित्त से द्वारिका नगरी बली - द्वीपायन मुनि
21. जिन्होंने निमित्तज्ञान से बारहवर्षीय अकाल की द्रोघता की - आचार्य भद्रबाहु
22. प्रथम सूत्रात्मक जैन ग्रन्थ लिखा - उमास्वामी
23. प्रथम जैन ग्रन्थ लिखा - भूतबली - पुण्यदत्त आचार्य
24. जिनके पांचो कल्याणक एक स्थान पर हुए - वासुपूज्य
25. जिनकी रक्षा सुअर ने की -
26. जिनसे सम्राट चन्द्रगुप्त ने 16 स्वप्नों का फल पूछा - आचार्य भद्रबाहु
27. जिनके पैर की धूल से पर्वत सोने का हो गया था - शुभचन्द्राचार्य
28. जिनसे दशरथ ने दीक्षा ली -
29. सर्वप्रथम 'अयजिनेन्द्र' उच्चारण करने वाले - भद्रबाहु
30. पैर के अंगुठे से कैलाश पर्वत दबाने वाले - बाली मुनि
31. सबसे कम समय में केवली हुए तीर्थंकर - मालिनाथ
32. अन्तिम अनुबद्ध केवली - जम्बुस्वामी
33. जो पुरोहित पुत्र भद्रबाहु को भारी श्रुतकेवली बानकर अपने साथ ले गए - जम्बुस्वामी गोवर्द्धनाचार्य
34. अन्तिम श्रुतकेवली - जम्बुस्वामी
35. आजीवन जिन्होंने कपड़े नहीं पहने - जिनसे न
36. कड़वी बूमड़ी का विषमय आहार दिया गया -

37. इनके काल में श्वेताम्बर मत प्रारंभ हुआ - भद्रबाहु
38. जिनसे क्रूर भील ने अहिंसा व्रत लिया -
39. रोग निवारण हेतु मुनिपद छोड़ा - समन्तभद्र
40. जिन्होंने लवकुषा की दीक्षा दी -
41. 100 अप्रैतों को जैन बनाकर व्याहार का जिन्होंने निग्रम लिया -
42. जिनसे रावण ने परस्त्रीत्याग व्रत लिया - अनंतवीर्य
43. दो बकरों को बलि से बचाकर अपना स्पर्श करवाया -
44. राजा के कहने पर मुनिपद लिया - ब्रह्मागुलाल
45. चन्द्रगुप्त को जैनधर्म में दीक्षित किया - भद्रबाहु
46. 500 पुत्रों के साथ दीक्षा ली -
47. कुन्दकुन्द की दीक्षा देने वाले - जिनचन्द्र आचार्य
48. जिनसे चाणक्य ने दीक्षा ली -
49. 'अणु' शब्द का 6 माह तक अर्थ किया -
50. जिन्हें सीकन्दर घुमान ले गया - कल्याण मुनि
51. वेश्या के कोठे पर तीन दिन का उपवास -
52. सर्प के मुँह में मेंढक देसकर वैराग्य - पूज्यपाद
53. एक ही आसन पर खड़े - खड़े चार माह का उपवास -  
गणधर मुनि
54. अर्द्धरात्री में 12 भावनाओं का पाठ सुनकर वैराग्य आ  
पानियों की साड़ियों की रस्सी बनाकर महल से उतरकर



## Notes

Mo Tu We Th Fr Sa Su

- मुनि बन गए - सुकुमाल
55. अपने घर में चोरी करते हुए चोर की सहायता की -  
पं. बनारसीदास जी
56. जिन्हें हाथी के पैर के नीचे कुचला गया - टोडरमल जी
57. श्रवणबेलगोला में बाहुबलि की मूर्ति बनवाई - चामुंडराय
58. 363 पास्तण्ड मत चलाए - मारीच
59. विवाह के अठाले दिन दीक्षा ली - जम्बुस्वामी
60. धर्मप्रभावना हेतु अपनी जान दे कर भाई को  
बचाया - निकलकं
61. अपनी बहन पर मोहित हुए - देशभूषण - कुलभूषण
62. जिनके गिरने पर शिला चूर-चूर हो गई - हनुमान
63. जिनकी श्वांश से शिला हिलती है - प्रद्युम्न कुमार
64. जिन्हें लंका में केवलज्ञान प्राप्त हुआ - अनंतवीर्य
65. अपने 60 हजार पुत्रों की मृत्यु का समाचार सुनकर  
अजितनाथ मुनि से दीक्षा ली - सगर चक्रवर्ती
66. जिनके पिता व पुत्र कामदेव थे - कृष्ण
67. प्रतिदिन 100 अजैनों को जैन बनाने का नियम  
लिया - जिनसेन
- 68.